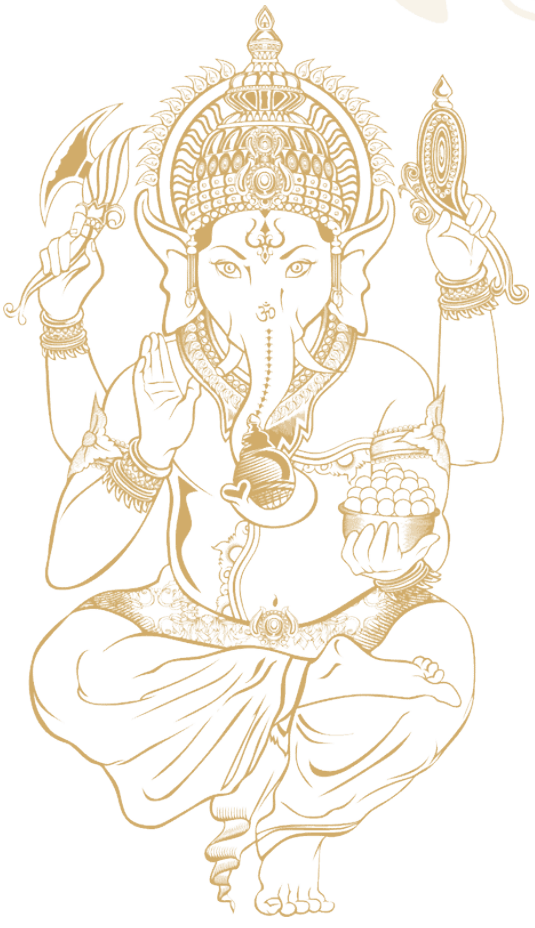

Dhurv

Priyanka

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121600003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/07/1992	जन्म तिथि	21/06/1993
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 23:30:00	जन्म समय	22:30:00 घंटे
घटी 44:53:53	जन्म समय(घटी)	42:44:34 घटी
India	देश	India
Faridabad	स्थान	Delhi
28:24:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:26	सूर्योदय	05:23:54
19:20:20	सूर्यास्त	19:21:48
23:45:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:14

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 15वर्ष 7मा 27दि		19:13:45	मीन	लग्न	मक	28:00:00	गुरु 7वर्ष 3मा 11दि	
मंगल		27:48:34	मिथु	सूर्य	मिथु	06:32:52	बुध	
10/03/2024		16:13:42	धनु	चंद्र	मिथु	27:15:54	03/10/2019	
11/03/2031		27:12:58	मेष	मंगल	सिंह	05:18:07	02/10/2036	
मंगल	07/08/2024	22:09:40	कर्क	बुध	कर्क	00:47:41	बुध	01/03/2022
राहु	25/08/2025	18:02:27	सिंह	गुरु	कन्या	11:36:53	केतु	26/02/2023
गुरु	01/08/2026	06:04:58	कर्क	शुक्र	मेष	21:11:22	शुक्र	27/12/2025
शनि	10/09/2027	23:07:50	मक व	शनि व	कुंभ	06:26:59	सूर्य	02/11/2026
बुध	06/09/2028	06:56:14	धनु व	राहु व	वृश्चि	18:23:06	चन्द्र	03/04/2028
केतु	02/02/2029	06:56:14	मिथु व	केतु व	वृष	18:23:06	मंगल	31/03/2029
शुक्र	04/04/2030	22:02:23	धनु व	हर्ष व	धनु	27:15:11	राहु	18/10/2031
सूर्य	10/08/2030	23:42:05	धनु व	नेप व	धनु	26:31:59	गुरु	23/01/2034
चन्द्र	11/03/2031	26:28:18	तुला व	प्लूटो व	तुला	29:24:43	शनि	02/10/2036

लग्न-चलित

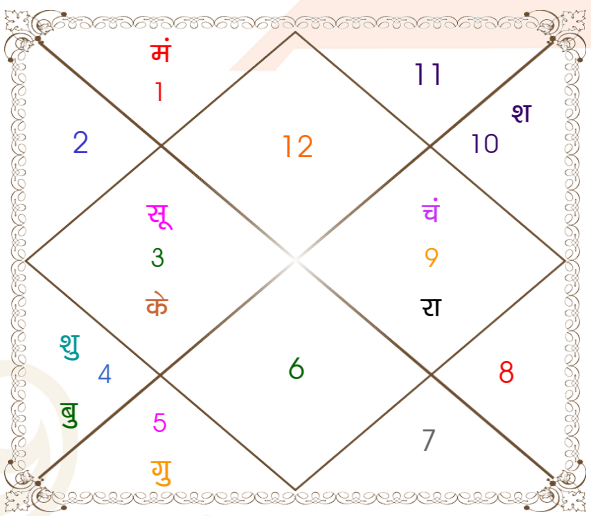

लग्न-चलित

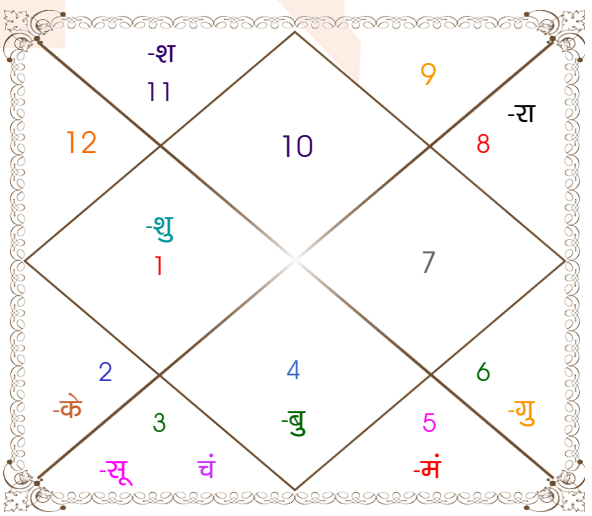

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Dhurv का वर्ग मूषक है तथा च्तपलंदां का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Dhurv और च्तपलंदां का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Dhurv मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

च्तपलंदां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Dhurv कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Dhurv तथा च्तपलंदां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।